



होटल की ट्रेनी रिसेप्शनिस्ट को चोदा-2

“मेरे कमरे की डोरबैल बजी. मैंने दरवाजा खोला तो बाहर जूली खड़ी थी. मैंने झट से उसे अंदर बुलाया और उसको बांहों में उठा लिया. जूली बहुत गजब की सुंदर छोटी सी लड़की थी. उसने होटल की यूनिफार्म पहन रखी थी. ...”

Story By: राजेश 784 (rajeshwar)

Posted: Wednesday, August 1st, 2018

Categories: [चुदाई की कहानी](#)

Online version: [होटल की ट्रेनी रिसेप्शनिस्ट को चोदा-2](#)

होटल की ट्रेनी रिसेप्शनिस्ट को चोदा-2

मेरी चोदन कहानी के पहले भाग

होटल की ट्रेनी रिसेप्शनिस्ट को चोदा-1

मैं आपने पढ़ा कि मैं एक होटल में रुका और वहां मुझे मसाज गर्ल पसंद नहीं आई. मैंने रिसेप्शन की एक लड़की की मांग कर दी. बुकिंग मैनेजर भी एक लड़की थी, उसने मेरी मदद की और उस लड़की को मेरे रूम में आने के लिए मना लिया. लेकिन वो तय समय पर नहीं आई तो मेरा दिमाग खराब होने लगा था.

अब आगे :

लगभग 8:00 बजे मेरे कमरे की डोरबैल बजी. मैंने दरवाजा खोला तो देखा कमरे के बाहर जूली खड़ी थी. मैंने झट से उसे अंदर बुलाया और दरवाजा बंद करते ही उसको बांहों में उठा लिया.

जूली बहुत ही गजब की सुंदर छोटी सी लड़की थी. उसका फिगर 32-30-34 होगा. उसने होटल की यूनिफार्म ही पहन रखी थी.

मैंने जूली से पूछा- तुमने तो 6:00 बजे आना था ?

जूली ने बताया- मेरी मम्मी को कुछ दवाइयों की जरूरत थी, अतः मार्केट से दवाइयां खरीद कर मम्मी को दे कर आई हूँ और उनको बोल कर आई हूँ कि मुझे दोबारा नाइट शिफ्ट में होटल जाना है.

जूली की बात सुनते ही मैं खुश हो गया कि लड़की सारी रात मेरे बिस्तर में रहेगी. मैंने जूली का कोट निकाल दिया और दोबारा उसे गोद में उठा लिया.

जूली के गाल एकदम गोरे थे. मैंने उसका टाई बैंड खोला और शर्ट के ऊपर के दो बटन खोल दिए. मैंने उसके मम्मों को उसकी ब्रा के अंदर से पकड़ कर देखा. एकदम टाइट मम्मे

थे. मैंने जूली के होठों को अपने होठों के बीच ले कर चूसना शुरू किया. जूली धीरे-धीरे गर्म होने लगी.

मैंने जूली की स्कर्ट को निकाल दिया. अब वह मेरे सामने एक सफेद शर्ट और प्रिंटेड पैंटी में खड़ी थी. जूली गजब की सेक्सी लड़की लग रही थी. उम्र की छोटी थी, लेकिन उसको देख कर मेरा 8 इंच लंबा लंड और 3 इंच मोटा लंड मेरी पैंट फाड़ने को हो गया था.

मैंने धीरे धीरे जूली के सारे शरीर पर हाथ फिराया और उसे गर्म किया.

मैंने जूली से पूछा- पहले कभी सेक्स किया है ?

उसने कहा- एक बार मेरे बाँय फ्रेंड से किया था, परन्तु उस वक्त बहुत दर्द हुआ था और मेरे ब्लीडिंग होने लगी थी, मुझे बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा था.

वह कहने लगी- मैं तो अभिलाषा मैम के कहने से आई हूँ. उन्होंने कहा है कि आप हमारे अच्छे कस्टमर हैं.

मैंने कहा- ठीक है अगर तुमने मेरा साथ दिया तो अभिलाषा इसी होटल में तुम्हारी नौकरी पक्की कर देगी.

दोस्तो ! मेरी एक आदत रही है कि मुझे कभी भी कुँवारी लड़की को चोदने में इतना मजा नहीं आता जितना चुदी हुई में आता है. एक तो मुझे मेरे मोटे और बड़े लंड की प्रॉब्लम होती है, क्योंकि कुँवारी लड़की मेरे लंड को पहले दिन लेने से घबराती है. पहली बार तो लड़की का रोना पीटना ही रहता है. मुझे चूत मारने में मजा तब आता है जब लड़की मजे से आह... उह... करे और सेक्स का आनंद ले.

मैं खुश हो गया कि चलो इसकी सील तो टूटी हुई है, अतः आज यह ज्यादा रोया पिटी नहीं करेगी.

मैंने जूली की पैंटी में हाथ दिया और उसे नीचे तक खिसकाकर निकाल दिया. जूली अब मेरे

सामने केवल शर्ट में थी और नीचे से पूरी नंगी थी. उसकी जांघें और टांगें मांसल लग रही थी, उसकी चूत पर मैंने हाथ फिरा कर देखा तो उसकी चूत भी पावरोटी की तरह से फूली हुई थी.

मैंने सोफे पर बैठ कर जूली को अपनी गोद में लिटा लिया और उसको किस करने लगा. उसके शर्ट के सारे बटन खोल कर उसकी ब्रा को निकाल दिया. मैं उसके बढ़िया उभरे हुए मम्मों को चूसने लगा और एक हाथ से उसके पट और चूत पर हाथ फिराने लगा. जूली ऊपर से देखने में कमसिन सी लग रही थी, परन्तु कपड़े उतारने के बाद देखा तो वह एकदम से गुदाज़ और मस्त लड़की लग थी. उसकी चूचियाँ, चूतड़, पट और चूत बिल्कुल सॉलिड चोदने लायक थी.

जूली की चूत के ऊपर एक भी बाल नहीं था. उसने बताया कि वह बाल साफ करने वाली क्रीम से अपनी चूत को साफ रखती है. उसकी जांघों और चूत के आसपास 1-2 छोटी छोटी फुंसी थी. कुछ देर बाद उसके सारे शरीर के ऊपर हाथ फिराने के बाद और पूरी तरह से उसको गर्म करने के बाद, मैंने अपनी पैट उतारी.

मैंने अपनी अंडरवियर भी निकाल दी और उसके सामने मेरा फ़न फनाता हुआ 8 इंच लंबा लौड़ा सामने तन कर खड़ा हो गया, जिसे देख कर वह डर गई और एकदम बोली- यह मुझसे नहीं होगा. मैंने उसको समझाया कि हम बड़े प्यार से सेक्स करेंगे, इससे तुम्हें कोई नुकसान नहीं होगा. मैंने उसको बताया कि लड़की की चूत में बहुत लचीलापन होता है और वह बड़े से बड़ा लंड अपने अंदर ले सकती है.

वह कहने लगी- मैं आपके साथ इंटरकोर्स नहीं कर सकती, क्योंकि आपका पेनिस बहुत बड़ा है.

मैंने उससे कहा- ठीक है, तुम इसको अपने हाथ में पकड़ लो और इससे मजा लो.

वह मेरे लौड़े को अपने हाथों से आगे पीछे करने लगी.

मैंने विहूस्की के दो लार्ज पेग बनाये. एक में कमरे में रखे प्रीज़ में से एक कोक निकाल कर उसमें मिला दिया और जूली को पीने के लिए दे दिया. पहले तो उसने मना किया, परन्तु मेरे कहने पर कुछ देर बाद जूली ने वह धीरे धीरे पी लिया. जूली को खुमार चढ़ने लगा और उस पर मस्ती छाने लगी.

मैंने उसको कहा- लंड को मुंह में लो.

पहले तो उसने इनकार किया, परंतु मैंने उससे कहा कि सभी लड़कियां इसको मुंह में चूसती हैं तो वह कहने लगी- पहले इसको धो कर आओ.

मैं उसको बाथरूम साथ लेकर गया और उसको कहा- तुम खुद ही साबुन से इसको अच्छी तरह से वाशबेसिन में साफ करो.

मैं लंड निकाल कर वाशबेसिन के पास खड़ा हो गया, उसने मेरे लंड पर साबुन लगाया और गुनगुने पानी से धोया. अच्छे होटलों में बाथरूम में बहुत खुशबूदार क्रीम रखी होती है, मैंने मेरे लौड़े के ऊपर क्रीम लगाई और हम फिर कमरे में आ गए.

कमरे में आने के बाद मैं सोफे पर बैठ गया और उसको मैंने कहा- नीचे कालीन पर बैठकर मेरे लंड को चूसो.

उसने अपना पूरा मुंह खोल कर मेरे लंड को अपने मुंह से चूसना शुरू किया, लंड का टोपा उसके मुंह में फंस गया था, अतः वह धीरे-धीरे अपने होंठ और जीभ उसके ऊपर चला रही थी.

मैंने अपने हाथ नीचे करके उसकी दोनों चुचियों और उसके निप्पलों को धीरे धीरे अपनी उंगलियों के बीच मसलना शुरू किया, वह पूरी गरम हो गई.

मैंने अपने सारे कपड़े निकाल दिए और उसको बांहों में उठा लिया. हम दोनों उस कमरे में पूरी तरह से नंगे थे. वह मेरे हट्टे कट्टे और भरे बदन के सामने एक छोटी बकरी की तरह

लग रही थी. मैंने उसकी जांघों, चूत और चूतड़ों के बीच लंड को लगाया, मेरा लंड उसके नीचे से होता हुआ पीछे उसके चूतड़ों से बाहर आगया. वह ऐसे लग रही थी जैसे किसी रॉड पर बैठी हो.

मैं उसे बांहों में उठाये कमरे में घूमता रहा और बीच-बीच में उसकी चूत में थोड़ी-थोड़ी उंगली करता रहा. मैंने उसको बेड पर लिटाया और उसकी टांगें चौड़ी करके उसकी चूत को चूसना शुरू किया, जैसे ही मैंने उसकी चूत के दाने को जीभ से छुआ, वह एकदम सिहर गई.

मैं उसकी चूत को चाटता रहा और वह आह... आह... उम्ह... अहह... हय... याह... आह... आह... उई... उई... या.... या....करती रही.

उसने एकदम अपनी टांगों को जोर से भींचा और उसकी चूत ने पानी छोड़ दिया.

मैं बेड पर उसके साथ लेट गया और उसे अपनी छाती के ऊपर लिटा लिया, उसके चूतड़ों और कमर को अपने हाथों से सहलाता रहा.

उसे मजा आने लगा था परंतु वह मेरा लंड लेने से घबरा रही थी. उसके शरीर के हर हिस्से को मैंने चूम चूम कर उसे उत्तेजित कर दिया और अपनी एक उंगली उसकी गुलाबी चूत के छोटे से छेद में डालने लगा.

उसे व्हिस्की का असर होने लगा था और कुछ कुछ अच्छा लगने लगा था. वह धीरे धीरे चुदने का मन बनाने लगी.

मैंने अपनी उंगली चूत के अन्दर ही रखी. उंगली पर भी उसकी चूत एकदम टाइट लग रही थी. मैंने उससे पूछा- तुम्हारे बॉयफ्रेंड का लंड कितना बड़ा था ?

तो उसने बताया- उसका तो साले का बहुत ही पतला और छोटा सा था, आप से तो आधा भी नहीं था.

मैंने पूछा- उसने कितनी देर चूत मारी थी.

वह बोली- उसने अन्दर किया और मुझे जोर का दर्द हुआ, मेरे अन्दर से खून आने लगा और उसने जबरदस्ती तीन चार बार आगे पीछे करके अपना पानी छोड़ दिया था.

मैंने पूछा- उसके बाद कभी किया ?

उसने बताया- उसके बाद मैंने उसे कभी नहीं करने दिया.

मैंने जूली को कहा- जैसे मैं तुम्हें मज़ा दे रहा हूँ, ऐसे किया था ?

जूली ने बताया- उसने तो बस फटा फट मेरी पैंट उतार कर एकदम अन्दर घुसेड़ दिया था और मेरी फट गई थी.

मैंने जूली को कहा- जो होना था सो हो गया, आज तुम्हें मैं जन्नत की सैर करवाऊंगा और जब तुम कहोगी, तभी तुम्हारी चूत में लंड डालूंगा.

जूली ने मेरे लंड को पकड़ कर मस्ती से फिर कहा- लेकिन आपका तो इतना मोटा और बड़ा है, यह अन्दर कैसे जाएगा ?

मैंने कहा- तुम चिंता मत करो, बिल्कुल जैसे जैसे तुम कहोगी, मैं उतना ही अन्दर डालूंगा.

उसने कहा- प्रोमिज ?

मैंने कहा- बिल्कुल डार्लिंग.

मैंने जूली को अपने ऊपर लिटाये हुए उसके मम्मे चूसने शुरू किये और साथ ही उसके चूतड़ों को सहलाता और भींचता रहा. मैंने जूली के होठों को चूसा और उसकी जीभ को अपने मुंह में लेकर चूसता रहा.

जूली पूरी गर्म हो चुकी थी और खुश लग रही थी. जूली मेरे ऊपर से उतर कर बेड पर लेट गई. उस पर पेग का पूरा असर हो गया था और मुझे अपने ऊपर खींचने लगी.

मैं उठ कर बाथरूम गया और वहां से मॉश्चराइजर की छोटी सी बोतल ले आया. मैंने थोड़ी क्रीम जूली की चूत पर लगाई और कुछ क्रीम अपने लौड़े पर चुपड़ ली. मैं जूली की टांगों के बीच आकर बैठ गया और जूली से पूछा- अन्दर करूँ ?

जूली पेग की मस्ती में आ चुकी थी, बोली- यू वांट टू फ़क मी, ओके, फ़क मी डिअर.

मैंने जूली की टांगों को चौड़ा किया और चूत के छेद को खोल कर देखा, छेद में ऐसा लग रहा था कि जैसे अन्दर जगह ही नहीं है. मैंने उसकी चूत के छेद पर अपना बड़ा और मोटा लंड रखा तो उससे चूत का छेद पूरा ढक गया.

जूली ने अपनी आँखें खुमारी से बंद कर रखी थी.

मैंने उंगली से थोड़ी चूत को खोला और लंड के सुपाड़े के आगे के नुकीले भाग को छेद पर लगा कर थोड़ा दबाव दिया तो चूत खुलने लगी और लंड को हाथ से पकड़े हुए अन्दर ठूसा. बड़ा जोर लगाने के बाद लंड का सुपारा अन्दर चला गया. जूली ऊपर की और सरकने लगी.

मैंने उसको किस किया और पूछा- दर्द हुआ ?

उसने अपने होठों को जोर से बंद कर रखा था और नहीं का इशारा किया.

मैंने उसको कन्धों से पकड़ कर एक झटका और लगाया और लगभग आधा लंड उसकी चूत में फंसा दिया. उसने हल्के से आ... ई... की. मैंने उसे प्यार किया और कहा- बस थोड़ा और सहन करना, और एक जोरदार झटके से सारा लंड अन्दर ठोक दिया.

उसकी चीख निकल गई, लेकिन शराब के नशे में अधिक शोर नहीं किया. मैं लंड को उसकी चूत में फंसा कर रुक गया और उसको सहज करने लगा. उसके सख्त और गोल गोल मम्मों को मसलने लगा.

दोस्तो ! जैसे लंड की शेष और साइज़ अलग अलग होता है ऐसे ही चूत भी अलग अलग होती है. जूली की चूत में लंड फंसाते हुए मुझे ऐसा लगा जैसे चूत के अन्दर दो दरवाजे और थे. अर्थात् चूत के अन्दर दो बार और लंड को जोर लगा कर डालना पड़ा और काफी अन्दर जाकर कहीं फंस गया था.

जूली मुझसे लिपट गई और बोली- फ़क मी.

मैंने लंड को अन्दर बाहर करना चालू किया. हर बार लंड तीन बार अटक कर अन्दर जा रहा था. मुझे ऐसा मजा पहले कभी नहीं आया था. चूत में लंड की जैसे ही चाल बनी, जूली अपना सिर इधर उधर मारने लगी और आह... आह... वाह.. आई... सी... सी.. करने लगी.

मैं जूली को जोर जोर से चोदने लगा. उसे नशे में होश नहीं था, वह मस्त हो गई थी. चूत में लंड इतना टाइट चल रहा था मानों रेल के इंजिन में पिस्टन चल रहा हो. मुझे नहीं मालूम था कि ये छोटी सी लड़की इतना मजा देगी और मेरा 8 इंची लौड़ा इतने आसानी से अपनी नन्ही सी चूत में ले लेगी.

मैंने चुदाई जारी रखी, जूली की चूत पानी छोड़ती जा रही थी. कुछ देर पहले जो छेद छोटा सा लग रहा था, उसमें मेरा लौड़ा अब आराम से चल रहा था. मैंने जूली की दोनों टांगों को ऊपर उठाया और उसकी गठरी सी बना कर उसकी चूत पर ताबड़ तोड़ लंड से हमला कर दिया. चूत फ़ैल चुकी थी, और लंड पूरा चिकना हो चुका था.

कुछ देर बाद 15-20 जोरदार शॉट लगाकर मेरे लंड ने उसकी चूत को अपने वीर्य की पिचकारियों से भरना शुरू कर दिया, वह मेरी आखरी बून्द तक चूत में ले गई. मैंने उसके पाँव कंधे से उतार कर नीचे किये और बहुत देर तक पूरा लंड चूत के अन्दर डाले उसके ऊपर लेटा रहा. थोड़ी देर बाद लंड बैठ गया और बाहर निकल आया. लंड निकलते ही उसकी चूत से लावा सा बाहर निकलने लगा.

रात के 10 बज चुके थे. मैंने खाने का आर्डर कमरे में ही कर दिया था. हमने एक एक पेग और लगाया. जब बैरा खाना लेकर आया तो जूली को मैंने बाथरूम में भेज दिया था, उसकी यूनिफ़ार्म को भी अलमारी में छिपा दिया था. जूली से चला नहीं जा रहा था, वह टांगें चौड़ी करके मुश्किल से चल रही थी. हमने नंगे ही खाना खाया.

खाने के बाद मैंने जूली को फिर से अपनी गोद में बिठा लिया और उसकी चूचियों को मसलने लगा, उसकी चूचियाँ भी दर्द करने लग गई थी. जूली को मैंने घोड़ी बना कर चोदना शुरू किया. कुछ कसमसाहट के पश्चात उसने लंड को चूत में एडजस्ट किया और मजे से चुदने लगी। वह आह.... आह... उई.... आह.. किल मी... फ़क मी.... की आवाजें निकाल रही थी।

करीब 15-20 मिनट की जबरदस्त चुदाई के बाद हम दोनों झड़ गए। वह बेड पर पेट के बल पसर गई. मैं भी उसकी चूत में लंड फंसाये उसके ऊपर लेट गया।

हम एक दूसरे की बांहों में सो गए।

सुबह लगभग 6 बजे नींद खुली तो जूली कहने लगी उसे डचूटी पर जाना है अतः वह उठने लगी. उसकी चूत सूज गई थी.

मैंने उसे दुबारा फिर नीचे लिटा लिया और उसकी सूजी हुई चूत में लंड डाल कर चोदने लगा. वह फिर से मेरा साथ देने लगी. लगभग 15 मिनट की चुदाई के बाद मैंने उसकी चूत को अपने वीर्य से फिर भर दिया. कुछ देर लेटे रहने के बाद वह बाथरूम गई और नहा धोकर, अपनी यूनिफार्म पहन कर जाने लगी. जाते हुए मैंने उसे 2000 रूपये उसके कोट की जेब में डाल दिए.

जूली को मैंने रात भर तीन बार चोदा और वह मुझसे चुदवा कर खुश थी. मैं भी तैयार होकर अपने काम से बाहर चला गया।

दोपहर बाद आकर अभिलाषा को कैसे चोदा यह अगली कहानी में लिखूंगा.

Other stories you may be interested in

मैं अपने बेटों की दीवानी हूँ

मम्मी की चुदाई दो बेटों से कैसे हुई. इस कहानी में पढ़ें कि माँ ने कैसे अपने दो जवान बेटों की वासना जगा कर अपनी हवस का इलाज किया. सभी चूतधारी औरतों और लंडधारी मर्दों को आपकी कविता मां का [...]

[Full Story >>>](#)

ट्रेन में सेटिंग और होटल में चुदाई

मैंने एक भाभी के साथ किया हॉट सेक्स इन होटल रूम. ट्रेन की भीड़ में एक जवान सुंदर भाभी से मेरा मिलन हुआ, दोनों जिस्म गर्म हुए. फिर यह गर्मी फिर होटल में ही शांत हुई। दोस्तो, मेरा नाम गौरव [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोसन आंटी ने मुझसे चुदने के लिए जाल बिछाया

यह पेंटी सेक्स कहानी मेरी पड़ोसन आंटी की है. एक बार मैंने आंटी की पेंटी बाहर सूखती देखी. तो वासनावश मैंने वो पेंटी चुरा ली. उसके बाद क्या हुआ ? दोस्तो, मेरा नाम गौरव है. मैं सांगली, महाराष्ट्र का रहने वाला [...]

[Full Story >>>](#)

शोरूम वाली भाभी के साथ पार्क में खुली मस्ती

ओरल सेक्स पोर्न स्टोरी में पढ़ें कि मैंने बाइक खरीदने के लिए शोरूम में फोन किया तो मेरी दोस्ती सेल्स गर्ल से हो गयी. वो शादीशुदा थी. एक दिन हम पार्क में मिले और ... नमस्कार मित्रो, यहां अन्तर्वासना पर [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोसन चाची की चुत में मेरा कुंवारा लंड

यह देसी चाची की चुदाई हिंदी कहानी काल्पनिक है. जवान होते ही मैं किसी चूत की तलाश में था. तो मेरी नजर पड़ोस की चाची पर पड़ी जिनमें मुझे काम देवी दिखने लगी. मेरे सारे कामुक दोस्तों को मेरा सस्नेह [...]

[Full Story >>>](#)

